

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा आज से शुरू इंदौर को मिलेंगी 145 नई बसें, भोपाल से मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री गडकरी दिखाएंगे हरी झंडी

- पहले चरण में 7 शहरों की 351 बसें होंगी रवाना, हर बस में सीसीटीवी, पैनिक बटन और लाइव ट्रैकिंग की सुविधा
- गांव-शहर कनेक्टिविटी पर फोकस, 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य

इंदौर। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए 25 सितंबर से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत होने जा रही है। भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर

रवाना करेंगे। योजना के पहले चरण में इंदौर को सबसे ज्यादा 145 बसों की सौगात

प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2031

का संचालन पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा, जिससे निजी ऑपरेटरों की भागीदारी भी बढ़ेगी। नई बसों में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम और पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। बसों की निगरानी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाएगी, जिससे संचालन पर रियल टाइम नजर रखी जा सकेगी। परिवहन विभाग का मानना



मिलेंगी। इनमें 50 इंटरसिटी और 95 इंटरसिटी बसें शामिल हैं। सरकार का दावा है कि इस योजना से शहरों और गांवों के बीच सीधी बस कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा प्रदेश की 75

तक 15 हजार बसों के संचालन का लक्ष्य रखा है। पहले वर्ष 1500 बसें सड़कों पर उतरेंगी, जबकि आने वाले वर्षों में हर साल 2500 से 3000 नई बसें जोड़ी जाएंगी। बसों

है कि यह योजना प्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, समयबद्ध और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी।

देशभर में 2-अक्टूबर को यूपीआई से पैसा नहीं लेंगे व्यापारी

व्यूआर कोड को काले कपड़े से ढकेंगे, 2000 से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर चार्ज का विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप अपनी जैब में कैश नहीं रखते और यूपीआई से ही पेमेंट करते हैं, तो 2 अक्टूबर को ऐसा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि देशभर के व्यापारियों ने इस दिन नो पीआई डे मनाने का ऐलान किया है। यानी इस दिन देशभर में कोई भी व्यापारी और दुकानदार यूपीआई से पेमेंट नहीं लेंगे। महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर अध्यक्ष रवींद्र मंगवे ने बताया कि यह आंदोलन सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर के 500 से ज्यादा प्रमुख व्यापारी संगठन इसमें हिस्सा लेंगे। इस दिन व्यापारी संगठन 15 अक्टूबर से 2000 रुपये से ज्यादा ट्रांजैक्शन पर लगने वाले 0.4 प्रतिशत चार्ज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। व्यापारियों की इस चार्ज को हटाने की मांग है।

चक्रवात अर्नब से ओडिशा-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, पुल डूबे

बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है। दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को



सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी

बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया।

ओडिशा में दो दिनों तक तूफानी मौसम का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि ओडिशा में पिछले 24 घंटों में औसतन 70 मिमी बारिश हुई है, जिसमें कोरापुट जिले के सिमिलिगुडा में सबसे अधिक 193.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, तटीय इलाकों में दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहेगा और मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की।

जिनपिंग अमेरिका पहुंचे, स्वागत में 100 फीट का रेड कार्पेट

- ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचे, व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट गए और उनका स्वागत किया।

ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं। आज जिनपिंग का व्हाइट हाउस में औपचारिक स्वागत होगा। इस दौरान सैन्य विमान फ्लाईओवर करेंगे और करीब 500 अमेरिकी सैन्यकर्मों समारोह में शामिल होंगे।



आईआईटी-बॉम्बे सुसाइड केस, राहुल गांधी ने माता-पिता से बात की

साहिल ने मौत से पहले दोस्त को फोन किया था, कहा- गलती हो गई

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद परिजन प्रदर्शन कर रहे हैं। साहिल ने 18 सितंबर को हॉस्टल में सुसाइड कर लिया था। राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के स्टूडेंट साहिल वाकोडे के माता-पिता रवींद्र और सोनाली से वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने दोनों को मदद का भरोसा दिया। मीडिया सूत्रों ने गुरुवार को जानकारी दी।

वहीं, मौत से कुछ घंटे पहले साहिल ने फोन पर अपनी करीबी दोस्त से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने थर्मोडायनेमिक्स का पेपर खराब होने की बात कही और कहा था- मुझसे गलती हो गई। इसके बाद साहिल ने दोस्त के फोन का जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में उसने जाति से जुड़ी किसी घटना या टिप्पणी का जिक्र नहीं किया।



साहिल के माता-पिता का आरोप- मुंबई से जबरन बाहर ले जाया गया

आत्महत्या करने वाले आईआईटी बॉम्बे के छात्र के माता-पिता ने आरोप लगाया कि बुधवार तड़के उन्हें उनकी इच्छा के खिलाफ निजी कार से मुंबई से बाहर ले जाया गया। परिवार के मुताबिक, उन्हें मुंबई से करीब 555 किलोमीटर दूर वाशिम जिले ले जाया गया। परिवार ने कहा कि वे मुंबई में रहकर आईआईटी बॉम्बे के पर्व परिसर के बाहर भूख हड़ताल शुरू करना चाहते थे। उन्होंने मामले में नामित प्रोफेसर सूर्यनाथन डूला और संस्थान के निदेशक शिरीष केदारे की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुलाया, आरोपी फरार, पास्को में केस

दिल्ली में नाबालिग से रेप, 12 दिन में चौथा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वजीराबाद इलाके की एक होटल में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया।

घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और उसका बयान दर्ज किया।

मेडिकल जांच और लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। दिल्ली में पिछले 12



होटल के रिकॉर्ड की जांच

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि नाबालिग को होटल में प्रवेश कैसे मिला। जांचकर्ता होटल का रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड देख रहे हैं।

दिनों में नाबालिग से रेप का यह चौथा मामला है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, पॉक्सो केस में करीब 97 प्रतिशत आरोपी, पीड़ित को पहले से जानता है।

दिल्ली में रेप के पिछले 3 केस

- 12 सितंबर- स्वरूप नगर में 16 साल की नाबालिग से गैंगरेप-हत्या। अगले दिन खेत के पास खुले मैदान में शव मिला। चार आरोपी गिरफ्तार हुए, जिनमें तीन नाबालिग हैं।
- 16 सितंबर- सदर बाजार के दुकान में 10 साल की बच्ची से रेप। बच्ची स्टेशनरी खरीदने के लिए घर से निकली थी। आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार किया गया।
- 21 सितंबर- दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में 17 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया।

उज्जैन सिंहस्थ 2028 में तैनात होंगे 15 हजार भारत स्काउट्स और गाइड्स

- 40 करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ संभालेंगे 'सेवादूत'

उज्जैन (एजेंसी)। 2028 में होने वाले महाकुंभ 'सिंहस्थ' को लेकर तैयारियां अभी से जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। राज्य सरकार इस आयोजन को ऐतिहासिक और सुरक्षित बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी कड़ी में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने और उनकी मदद के लिए 15,000 से अधिक भारत स्काउट्स और गाइड्स के वालंटियर्स को तैनात किया जाएगा। संवाद भवन में स्काउट और गाइड प्रतिनिधियों के सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।



इतने बड़े पैमाने पर आने वाली भीड़ को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती होगी, जिसके लिए प्रशासन अभी से मुस्तैद हो गया है। पिछले सिंहस्थ आयोजनों के मुकाबले इस बार वालंटियर्स की संख्या को दोगुना कर दिया गया है। साल 2016 के सिंहस्थ में जहां 7,500 स्काउट्स ने 10 कैंपों के जरिए अपनी सेवाएं दी थीं, वहीं इस बार 15,000 सेवादूतों का यह दल 20 से अधिक सेवा कैंपों में तैनात रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

समग्र शिक्षा अभियान : करैरा में दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित हुआ मूल्यांकन शिविर; 102 का पंजीयन, 63 बच्चों का उपकरण हेतु चिन्हांकन

हेमंत भार्गव

शिवपुरी, / समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जनपद शिक्षा केंद्र करैरा द्वारा ब्लॉक स्तरीय विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण चिन्हांकन एवं चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 102 दिव्यांग बच्चों एवं हितग्राहियों का पंजीयन कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान एलिम्को जबलपुर की विशेषज्ञ टीम द्वारा आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु 63 दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें शीघ्र ही उपकरण वितरित किए जाएंगे।

स्वास्थ्य परीक्षण और दिव्यांग प्रमाण-पत्र पंजीयन- शिविर में उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दिव्यांग बच्चों का गहन स्वास्थ्य एवं दिव्यांगता संबंधी परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत 26 बच्चों का नए दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु पंजीयन किया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि संबंधित प्रमाण-पत्र तैयार कर शीघ्र ही हितग्राहियों को प्रदान



किए जाएंगे। शिविर में आए सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई।

अतिथियों ने किया शिविर का शुभारंभ- आयोजित शिविर का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्री वीनस गोयल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजीव सिकरवार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत सूत्रकार, बीआरसी श्री विनोद तिवारी एवं शिवपुरी से आए एपीसी श्री हरीश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन बीएससी श्री महेश लोधी द्वारा किया गया। विशेषज्ञ डॉक्टर एवं स्टाफ रहा मौजूद- शिविर में बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण हेतु ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अंकिता, आर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. यशस्वी बंसल, मनोचिकित्सक डॉ. योगेंद्र रघुवंशी एवं एमआरसी श्री अभिषेक द्विवेदी ने अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा जनशिक्षा केंद्र एवं ब्लॉक स्तर के बीएसी, सीएसी, शिक्षकगण, दिव्यांग हितग्राही तथा उनके पालक उपस्थित रहे।

सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली में लाएं पूर्ण पारदर्शिता - कलेक्टर श्री वर्मा

शाखा प्रबंधकों की जवाबदेही तय, लापरवाही पर होगी कार्रवाई; आमजन की जमा पूंजी से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं



हेमंत भार्गव

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों तथा शाखा प्रबंधकों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में संचालित सहकारी बैंक की समस्त शाखाओं की कार्यप्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

लापरवाही पर शाखा प्रबंधकों की सीधी जवाबदेही

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सहकारी बैंकों में गबन एवं वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित सामने आ रहे मामले अत्यंत गंभीर हैं। बैंक शाखा स्तर पर किसी भी प्रकार की शिथिलता

या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राथमिक सहकारी समितियों में यदि प्रबंधकों द्वारा किसी भी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी की जाती है, तो संबंधित शाखा प्रबंधक निगरानी करें और इसकी सूचना वरिष्ठ कार्यालय को देंगे और कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करेंगे। लापरवाही बरतने पर शाखा प्रबंधकों की भी सीधी जवाबदेही तय की जाएगी।

नागरिकों की जमा पूंजी की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

कलेक्टर श्री वर्मा ने बैठक में कड़े शब्दों में कहा कि सहकारी बैंकों में जिले के आम नागरिकों और किसानों की जमा पूंजी है। वित्तीय अनियमितताओं के कारण आमजन को अपनी ही जमा राशि प्राप्त करने के लिए बार-बार

चक्कर काटने पड़ते हैं और जनसुनवाई में भी इस प्रकार की शिकायतें निरंतर प्राप्त हो रही हैं। भविष्य में इस प्रकार की स्थितियां निर्मित न हों, इसके लिए उन्होंने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को अभी से बैंकों में कड़ी निगरानी और सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गबन के प्रकरणों में संलिप्त दोषियों से गबन की गई शत-प्रतिशत राशि की त्वरित वसूली की जाए। समयावधि में राशि जमा न करने की स्थिति में संबंधितों की संपत्ति की कुर्की एवं नीलामी की वैधानिक प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए। कार्य शिथिलता बरतने वाले विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

सोयाबीन कृषकों के लिए एडवाइजरी जारी: समय पर कटाई और कीट नियंत्रण के लिए कृषि विभाग की सलाह

हेमंत भार्गव

शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार कृषि विभाग शिवपुरी द्वारा जिले के सोयाबीन उत्पादक कृषकों के लिए खरीफ 2026 की साप्ताहिक कृषि सलाह जारी की गई है। उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य ने बताया कि जिले में सोयाबीन की फसल वर्तमान में पकने एवं दाना भरने की महत्वपूर्ण अवस्था में है। इस स्थिति में उपज के नुकसान को रोकने के लिए समय पर कटाई, सुरक्षित गहाई तथा कीट प्रकोप की नियमित निगरानी के लिए कृषकों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है। आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा जारी कृषि सलाह के क्रम में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र पकने वाली किस्मों में लगभग 90 प्रतिशत फलियां पीली पड़ने पर ही कटाई प्रारंभ करें। कटाई में अनावश्यक विलंब से फलियों के चटकने और दाने झड़ने का जोखिम रहता है। कटाई के बाद फसल को धूप में अच्छी तरह सुखाकर ही गहाई करें। वर्षा या नमी की संभावना को देखते हुए कटी हुई फसल को तत्काल सुरक्षित व सूखे स्थान पर भंडारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कीट नियंत्रण और बीज उत्पादन में धेसर की गति पर ध्यान देने की सलाह

फसल को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों से बचाव के लिए विभाग ने विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं। जिसमें फलियां छेदक कीट के लिए दाना भरने की अवस्था में इसके प्रकोप से दानों की



गुणवत्ता प्रभावित होती है। कीट प्रकोप दिखने पर इंडोक्साकार्ब 15.8 प्रतिशत की 333 मिलीलीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई है। बीज उत्पादन वाली फसल के लिए स्टिक बग, अलमंड मॉथ एवं पल्स बीटल से सुरक्षा हेतु नियमित निगरानी करें और आवश्यकता पड़ने पर प्रोफेनोफॉस 1.0 लीटर प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। अंकुरण क्षमता सुरक्षा के लिए बीज की अंकुरण क्षमता सुरक्षित रखने के लिए गहाई के समय थ्रेसर की गति 350 से 400 आरपीएम रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कृषि अधिकारियों से संपर्क की अपील

उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य ने जिले के सोयाबीन उत्पादक कृषकों से अपील की है कि वे कीटों की सतत निगरानी रखें तथा कीटनाशकों का प्रयोग केवल अनुशंसित मात्रा में ही करें। फसल में रोग या कीट संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु कृषक अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी या विकासखंड कृषि कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक तकनीकी सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

शिव स्वरूप में विराजे गणपति जी, श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जवा टेकरी के लुनिया मोहल्ले में श्री सांवरिया सेठ युवा मंडली द्वारा गणपति जी की अनोखी एवं आकर्षक झांकी सजाई गई। इस वर्ष मंडली ने भगवान गणेश जी को शिव स्वरूप में विराजमान किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। गणपति जी का यह मनमोहक स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सुंदर सजावट, आकर्षक श्रृंगार और धार्मिक वातावरण ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। गणेश जी के दर्शन के लिए क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

श्री सांवरिया सेठ युवा मंडली के सदस्यों



द्वारा प्रतिदिन भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना एवं आरती की जा रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान गणपति का आशीर्वाद ले रहे हैं। मंडली के सदस्यों ने बताया कि गणपति उत्सव के माध्यम से युवाओं को धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजन में क्षेत्र के युवाओं के साथ-साथ रहवासियों का भी सहयोग मिल रहा है। शिव स्वरूप में विराजे गणपति जी की भव्य झांकी क्षेत्रवासियों के लिए आस्था और आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

गरबा पांडालों में प्रवेश और व्यवसाय को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने उठाई आवाज

विशाल मंडलोई बोले—मां की आराधना में शामिल होने वालों को धार्मिक परंपराओं का पालन होना चाहिये

राजेश धाकड़

इंदौर। नवरात्रि पर्व को लेकर शहर में गरबा आयोजनों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी बीच गरबा पांडालों में प्रवेश व्यवस्था, धार्मिक परंपराओं के पालन और गरबा की आड़ में व्यवसायिक गतिविधियों को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने अपनी बात सामने रखी है। संगठन के जिला उपाध्यक्ष इंदौर विशाल मंडलोई ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि गरबा पांडाल केवल मनोरंजन का स्थल नहीं, बल्कि मां भगवती की आराधना और धार्मिक आस्था से जुड़ा आयोजन है। ऐसे में आयोजन की धार्मिक मर्यादा और परंपराओं का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विशाल मंडलोई ने कहा कि नवरात्रि के दौरान गरबा पांडालों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां की आराधना और धार्मिक उत्सव में शामिल होते हैं। इसलिए आयोजकों द्वारा पांडाल में प्रवेश के लिए स्पष्ट नियम और जो लोग मां की आराधना में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें आयोजन की धार्मिक परंपराओं और आयोजकों द्वारा निर्धारित नियमों का सम्मान करना चाहिए।

तिलक और धार्मिक परंपरा का पालन करने की बात

विशाल मंडलोई ने कहा कि संगठन की ओर से यह मांग रखी जा रही है कि गरबा पांडालों में प्रवेश करने वाले लोगों के लिए धार्मिक परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था हो। उन्होंने तिलक लगाने और धार्मिक परंपरा के अनुरूप गरबा आयोजन में शामिल होने की बात कही। उनका कहना है कि इससे आयोजन की धार्मिक पहचान और गरिमा बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि नवरात्रि में आयोजित



गरबा को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। यह पर्व मां शक्ति की आराधना, श्रद्धा और भारतीय धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। इसलिए आयोजकों को आयोजन की धार्मिक भावना और श्रद्धालुओं की आस्था का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

गरबा की आड़ में व्यवसायिक गतिविधियों पर आपत्ति

राष्ट्रीय सनातन सेना भारत की ओर से गरबा आयोजनों में धार्मिक आयोजन की आड़ में किसी भी प्रकार की व्यवसायिक गतिविधि किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई। विशाल मंडलोई ने कहा कि गरबा आयोजन का मूल उद्देश्य धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने आयोजकों से अपील की कि आयोजन के दौरान ऐसी गतिविधियों पर निगरानी रखी जाए, जिनसे धार्मिक आयोजन का स्वरूप प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी आयोजन में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जाती है तो उसके लिए संबंधित नियमों और प्रशासनिक प्रावधानों का पालन किया जाना चाहिए। संगठन की ओर से इस संबंध में आयोजकों और प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखी जाएगी।

आयोजकों से स्पष्ट नियम बनाने की अपील

विशाल मंडलोई ने गरबा आयोजकों से अपील की कि पांडाल में प्रवेश को लेकर पहले से स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाएं और प्रवेश करने वाले लोगों को आयोजन की आचार-संहिता की जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि नियम स्पष्ट होने से आयोजकों, श्रद्धालुओं और प्रशासन के बीच किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति नहीं बनेगी। उन्होंने प्रशासन से भी नवरात्रि के दौरान होने वाले गरबा आयोजनों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग की।

धार्मिक आयोजन की गरिमा बनाए रखने पर जोर

राष्ट्रीय सनातन सेना भारत की ओर से कहा गया कि नवरात्रि का पर्व धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। इसलिए गरबा आयोजनों में श्रद्धालुओं की भावनाओं और धार्मिक आयोजन की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए।

इंदौर पुलिस कमिशनरेट की डिजिटल पहल-अब घर बैठे मिलेगी इंदौर की झांकियों की हर जानकारी

इंदौर। इंदौर की ऐतिहासिक एवं गौरवशाली परंपरा अनंत चतुर्दशी झांकी चल समारोह को नागरिकों के लिए और अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित एवं डिजिटल बनाने की दिशा में इंदौर

ऑनलाइन लाइव झांकी-घर बैठे झांकी चल समारोह का लाइव प्रसारण देखने की सुविधा।

डिजिटल प्रहरी-पुलिस अधिकारियों व कंट्रोल रूम के आवश्यक संपर्क नंबर, निकटतम पुलिस सहायता केंद्र आदि सुरक्षा एवं जागरूकता से संबंधित डिजिटल सुविधा।

पार्किंग की जानकारी-निर्धारित पार्किंग स्थलों की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा।

झांकियों का क्रम एवं समय-झांकियों के क्रम तथा उनके संभावित समय की जानकारी।

सुरक्षा घर एवं एम्बुलेंस की रियल टाइम लोकेशन-आवश्यकता के समय महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों के लिए सुरक्षा व सहायता केंद्र एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाने की सुविधा।

तकनीक के साथ परंपरा और सुरक्षा का संगम-इंदौर की ऐतिहासिक झांकी परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए यह पहल नागरिकों को



पुलिस कमिशनरेट द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। झांकी चल समारोह के दौरान शहरवासियों एवं बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को झांकियों की जानकारी अब घर बैठे ही प्राप्त कर सकेंगे। www.indore.live के माध्यम से अब नागरिक अपने मोबाइल फोन पर झांकियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेगी महत्वपूर्ण सुविधाएं-

लाइव झांकी लोकेशन ट्रैकर-झांकियां इस समय कहां पहुंची हैं, इसकी जानकारी।

बेहतर जानकारी, सुगम व्यवस्था एवं सुरक्षित झांकी दर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इंदौर पुलिस कमिशनरेट की अपील है कि झांकी चल समारोह के दौरान नागरिक www.indore.live का उपयोग कर झांकियों की लोकेशन, लाइव प्रसारण, पार्किंग एवं आवश्यक सुरक्षा/आपातकालीन सेवाओं की जानकारी प्राप्त करें और सुरक्षित एवं व्यवस्थित झांकी दर्शन का आनंद लें। विजिट करें : www.indore.live इंदौर पुलिस कमिशनरेट तकनीक के साथ सुरक्षा, परंपरा के साथ सुविधा

अनंत चतुर्दशी बाह्य विसर्जन व आंतरिक जागृति की स्थापना का पर्व

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल परंपराओं और उत्सवों तक सीमित नहीं हैं। प्रत्येक पर्व अपने भीतर एक गहरा आध्यात्मिक संदेश समेटे हुए है। अनंत चतुर्दशी भी ऐसा ही पावन अवसर है, जो हमें अनंत परम शक्ति से अपने संबंध को अनुभव करने और अपने भीतर झाँकने की प्रेरणा देता है। 'अनंत' अर्थात् जिसका कोई अंत नहीं। हमारा बाहरी जीवन निरंतर परिवर्तनशील है, विचार बदलते हैं, भावनाएँ बदलती हैं और परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं। फिर भी हमारे भीतर एक ऐसी चेतना विद्यमान है, जो इन सभी परिवर्तनों की साक्षी है। सहजयोग हमें इसी आंतरिक सत्य को अनुभव करने की दिशा में ले जाता है। श्री माताजी निर्मला देवी ने सहजयोग के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार और ध्यान का मार्ग बताया। हमारे भीतर स्थित

कुंडलिनी शक्ति के जागरण से आत्म-साक्षात्कार की अवस्था प्राप्त होने पर व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की दिशा में आगे बढ़ता है। ध्यान में प्राप्त निर्विचारिता और आंतरिक शांति हमें बाहरी परिस्थितियों से ऊपर उठकर अपने भीतर संतुलन अनुभव करने में सहायता करती है। अनंत चतुर्दशी गणेश उत्सव के समापन का भी पर्व है। सहजयोग में श्री गणेश को मासूमियत, पवित्रता, विवेक और मर्यादा का विसर्जित करना सीखना चाहिए। जब इन मानसिक बंधनों का प्रभाव कम होता है, तब भीतर की शांति



सरलता हमें याद दिलाती है कि आध्यात्मिक जीवन में हृदय की निर्मलता और सहजता का विशेष महत्व है। गणेश विसर्जन अपने आप में एक सुंदर आध्यात्मिक प्रतीक है। जिस प्रकार हम श्रद्धा से गणेश जी को स्थापित करते हैं और फिर उन्हें जल में विसर्जित करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, भय और अनावश्यक विचारों को भी धीरे-धीरे विसर्जित करना सीखना चाहिए। जब इन मानसिक बंधनों का प्रभाव कम होता है, तब भीतर की शांति

अधिक स्पष्ट रूप से अनुभव होने लगती है। इस दिन धारण किया जाने वाला अनंत सूत्र भी एक सुंदर प्रतीक है कि हम अपने जीवन को सत्य, संतुलन और आत्मचेतना से जोड़ें। वास्तविक सूत्र केवल हाथ पर नहीं, बल्कि हमारे हृदय में बंधना चाहिए। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में अनंत चतुर्दशी हमें कुछ क्षण रुकने, ध्यान करने और अपने भीतर की शांति को अनुभव करने का अवसर देती है। अनंत बाहर कहीं दूर नहीं है। वह हमारे भीतर ही विद्यमान है। सहजयोग उस अनंत चेतना को अनुभव करने की एक सहज यात्रा है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों के प्रति किया जागरूक



डिंडौरी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगारे के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृशक्ति प्रशिक्षण संस्थान, डिंडौरी में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति समुदाय को जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने

तथा उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में जागरूक किया गया।

महिलाओं को बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त कर उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल अधिकारों की दी जानकारी

जागरूकता कार्यक्रम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 एवं बाल अधिकार संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई।

बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इसकी रोकथाम में परिवार एवं समुदाय की भूमिका पर चर्चा की गई। साथ ही बालिकाओं को निरंतर शिक्षा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए परिवार एवं समाज की जिम्मेदारी के बारे में बताया गया।

सहायता सेवाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के लिए महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं वन स्टॉप सेंटर सहित उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को सुना गया तथा संबंधित विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण का दिया संदेश- सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को संदेश दिया गया कि बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मान सुनिश्चित करना केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित

डिंडौरी। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं आत्महत्या की रोकथाम के उद्देश्य से जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे सहित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नेशनल टास्क फोर्स के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन, उच्च शिक्षण संस्थानों एवं कोचिंग सेंटरों में मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों तथा शिकायत निवारण की समीक्षा की गई। सभी शिक्षण संस्थानों को नेशनल टास्क फोर्स पोर्टल का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रदाताओं की सर्वे में सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले के सभी कोचिंग सेंटरों का पंजीयन सुनिश्चित करने, कोचिंग हब एवं ऐसे स्थानों पर जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थी बड़ी संख्या में निवास करते हैं, मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा एवं रोकथाम के आवश्यक उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शिक्षण संस्थानों एवं कोचिंग सेंटरों के औचक निरीक्षण के लिए टीम गठित करने, निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट राज्य स्तरीय टास्क फोर्स को भेजने तथा सभी संस्थानों में शिकायत पेटी एवं शिकायत निवारण समिति की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय में निराकरण कर प्रत्येक माह की 10 तारीख तक Action Taken Report (ATR) भेजने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि समिति द्वारा समय-समय

पर युवाओं के साथ संवाद एवं कैरियर काउंसलिंग की गतिविधियां आयोजित कर उनका मार्गदर्शन एवं मनोबल बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं को मानसिक तनाव एवं अवसाद जैसी परिस्थितियों से उबरने में सहयोग के लिए एक मेंटर नियुक्त किया जाए, जो उनके साथ नियमित संवाद कर उनकी समस्याओं को समझे और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करे। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक एवं उत्साहित बनाए रखने के लिए खेल, मनोरंजन एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का भी नियमित आयोजन करने के निर्देश दिए। बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 15 जनवरी 2026 के आदेश के अनुपालन में छात्र आत्महत्या एवं अप्राकृतिक मृत्यु की सूचना तत्काल पुलिस को देने, आवासीय उच्च शिक्षण संस्थानों में 24x7 चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने, रिक्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों की पूर्ति, लंबित छात्रवृत्तियों के समयबद्ध निराकरण तथा यूजीसी के बाध्यकारी विनियमों का पालन सुनिश्चित करने संबंधी निर्देशों की जानकारी दी गई। जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों को माहवार गतिविधि कैलेंडर



के अनुसार गतिविधियां आयोजित करने तथा प्रत्येक माह की 5 तारीख तक कार्रवाई का प्रतिवेदन राज्य स्तरीय टास्क फोर्स को भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मानसिक तनाव की स्थिति में कोई भी विद्यार्थी स्वयं को अकेला महसूस न करे।

बप्पा, अगली बार पुराना वाला भारत लेकर आना

आप आते हो तो घर-आंगन मुस्कुराता है,
हर चेहरा उम्मीदों से भर जाता है।
आप आशीर्वाद देते हो, नए सपने दिखाते हो,
कुछ दिन हमारे होकर... फिर चले जाते हो।

बप्पा, हर साल तुम आते हो,
हमारे दुख-सुख के साथी बन जाते हो।
हम अपनी हर चिंता तुम्हें सुनाते हैं,
और विदाई की घड़ी आते ही
न जाने क्यों आंखों में आंसू भर आते हैं।

पर बप्पा...
इस बार जब जाना, तो खाली हाथ मत जाना।

हमारे देश का भ्रष्टाचार साथ ले जाना,
बेईमानी और अन्याय का अंधेरा मिटा जाना।
गरीब की मजबूरी बिके नहीं,
सच्चाई किसी ताकत के आगे झुके नहीं—
ऐसा हिंदुस्तान बना जाना।

बप्पा, हमारे बच्चों की रक्षा करना,
हर क्रूरता और अत्याचार से उन्हें बचाना।
किसी बेटी की आंखों में डर न हो,
किसी मासूम के साथ अन्याय न हो।
बलात्कार जैसी हैवानियत का नाम मिट जाए,
हर बेटी निर्भय होकर घर लौट पाए।

धर्म के नाम पर जो दिल बंट रहे हैं,
उन दिलों को फिर से मिला जाना।
जाति और मजहब की दीवारों से ऊपर
इंसानियत का दीप जला जाना।

नफरत को अपने साथ ले जाना बप्पा,
और प्रेम यहीं छोड़ जाना।
अहंकार अपने साथ ले जाना,
और संस्कार यहीं छोड़ जाना।
लालच अपने साथ ले जाना,
और संतोष यहीं छोड़ जाना।

हमारे युवाओं को ऐसी राह दिखाना,
जहां नशा नहीं, संस्कार हों,
हाथों में गलत रास्ते नहीं,
मेहनत और रोजगार हों।
उनके सपनों को पंख देना,
माता-पिता के चेहरों पर गर्व देना।

और बप्पा...।

अगली बार जब आना,
तो वो पुराना वाला भारत लेकर आना।

जहां रिश्तों में अपनापन था,
बड़ों के लिए सम्मान था।
बच्चों में संस्कार थे,
पड़ोसी भी परिवार था।

जहां बेटी पूरे सम्मान के साथ चलती थी,
जहां मां की ममता और पिता की सीख
सबसे बड़ी दौलत हुआ करती थी।

जहां त्योहार केवल हमारे-तुम्हारे नहीं,



हम सबके हुआ करते थे।
जहां अलग-अलग आस्थाओं के बावजूद
दिलों में एक-दूसरे के लिए सम्मान हुआ करता था।

बप्पा, ऐसा भारत फिर से लेकर आना—
जहां कुर्सी से बड़ी सेवा हो,
पैसे से बड़ी ईमानदारी हो,
धर्म से पहले इंसानियत हो,
और हर पहचान से ऊपर हिंदुस्तान हो।

आज आपकी विदाई है...।
आंखें नम हैं, लेकिन विश्वास अटूट है।
क्योंकि हम जानते हैं—
आप जा रहे हो, हमें छोड़कर नहीं जा रहे।

आप हमारे विश्वास में रहोगे,
हमारी प्रार्थनाओं में रहोगे,
हमारे घर में, हमारे मन में
और हमारी हर नई शुरुआत में रहोगे।

बस जाते-जाते
हमारी इतनी-सी प्रार्थना स्वीकार कर जाना—

हमारे बच्चों को सुरक्षित रखना,
हमारी बेटियों को निर्भय रखना,
हमारे युवाओं को सही राह देना,
हमारे देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करना,
और हमारे भारत को फिर से
प्रेम, संस्कार और भाईचारे का भारत बना देना।

फिर अगले बरस आना बप्पा...।
मगर इस बार से भी बड़ी मुस्कान लेकर आना।
हमारे दुख अपने साथ ले जाना
और हमारी खुशियां हजार गुना बढ़ाकर जाना।

गणपति बप्पा मोरया !
मंगलमूर्ति मोरया !
अगले बरस तू जल्दी आ !

कवि गोपाल गावंडे

नरसिंह बने प्रहलाद...

शिशुपाल(सरकार) एक के बाद एक गलतियां करता जा रहा है और नारायण(जनता)गिनते जा रहे है... देखना है 100 गलतियां कब होती है और उसका परिणाम क्या होता है... ये शहर सरकार की त्रुटियों,भ्रष्टाचार,लालच और उसके घमंड के कारण हुई कई मौतों पर भी चुप रहा,सोता रहा। कई दशकों बाद इंदौर के लिए एक सुनहरा दिन आया है मुझे नहीं याद आता इंदौर ने पिछली बार कब किसी दंपति को शहरहित के लिए अनशन करते देखा हो गैराजनैतिक(वर्तमान में) दंपति ने निस्वार्थ भाव से ऐसी समस्या के लिए अनशन किया जिसे इंदौर के आम नागरिक ने अपने जीवन का भाग मान लिया था।वो इतना सहज हो गया था कि उसको अब इन अवैध बैनर पोस्टर से कोई समस्या नहीं होती थी किंतु पांडेय दंपति ने सभी को बता दिया,जता दिया कि अब समय बदल रहा है।अब समय है इंदौर को जगाने का,वास्तव में स्मार्ट बनाने का। क्या कोई हम गांव,देहात के वासी है या इंदौर कोई बाहुबलियों का शहर है जहां बैनर पोस्टर के लिए इतना हट,इतना बवाल किया जाए।ये IIT,IIM का शहर है,ये TCS,INFOSYS का शहर है,ये मेट्रो का शहर है,प्रदेश को आर्थिक गति देने का शहर है यहां पर किसी को इन विषयों के लिए अनशन पर बैठना पड़े कैसी विडंबना है ये। बेहतर होता यदि कोई जनप्रतिनिधि स्वयं आगे आकर प्रण करता कि अब मेरे पोस्टर शहर में नहीं लगेंगे।इस प्रण से जितना विज्ञापन आपका इन पोस्टर से नहीं होता होगा उससे कई ज्यादा आप लोगो के दिल में जगह बना लेते किंतु क्या करे अभी सत्ता का नशा ही कुछ ऐसा छाया हुआ है।

ऐसा क्या मांग लिया था प्रहलाद ने...? यही ना कि अवैध रूप से पूरे शहरभर में लगे बड़े बड़े पोस्टर हट जाए ऐसा क्या गलत मांग लिया,बात केवल पोस्टर की नहीं है आप बार बार गलतियां कर रहे है,आपकी पुरानी गलतियां अब उजागर होने लगी है,सबने बहुत सहन किया किंतु पांडेय दंपति ने हिम्मत करी और बोल दिया और ये बोलने की हिम्मत भी आप ही ने उन्हें जेल में डाल कर दी है...बात पांडेय दंपति की भी नहीं है वो नहीं होते तो कोई और होता पर यह होता जरूर... ये क्या कर रहे है आप कैसी गवर्नेंस देना चाहते है।आप सरकार है एक सर्वे करा लीजिए शहर के कितने लोग आपके पोस्टर चाहते है यकीन मानिए 99.99% लोग नहीं चाहेंगे कि शहर में अवैध राजनैतिक पोस्टर लगाए जाए।एक आम नागरिक केवल आपके कार्य का मूल्यांकन करता है ना कि आपके चमकते चेहरे का...लगाइये आप

जितने पोस्टर बैनर लगाना है पर शुल्क के साथ विज्ञापन के रूप में। बात केवल बैनर पोस्टर की नहीं है, बात केवल बीजेपी की नहीं है। यह अनशन सभी राजनैतिक पार्टियों के विरोध में था और आप मान के चलिए यह एक चेतावनी थी अब इंदौर में ऐसी मूर्खता नहीं चलेगी। बात केवल किसी एक विभाग या एक शहर की नहीं है अब तो वातावरण में ही जैसे भ्रष्टाचार घुल सा गया है। रोज अखबार खोलिये आपको कुछ ना कुछ बड़ा भ्रष्टाचार देखने को मिलेगा,रोज कुछ नया। एक समय था जब रोज इंदौर और प्रदेश कुछ अच्छा करता था। नीत नए कीर्तिमान रचे जाते थे।अब रोज एक नया कांड सामने आता है। पता नहीं हम कैसे दोर में आ गए है जहां या तो आप अंधभक्त होते है या अंधविरोधी होते है।नैतिकता की बात कोई नहीं करना चाहता। जनता का दुर्भाग्य देखिए जनता ने जिन्हें चुना वो सत्ता पक्ष जनता की बात सुनने समझने को तैयार नहीं है और जिस विपक्ष का कर्तव्य है शहरहित में गंभीर विषयों को उठाना उनके बड़े राष्ट्रीय नेता इंदौर आते है। जब आमजन उनसे गंभीरता अपेक्षित कर रहा होता है तब वे फूहड़ कॉमेडी शो करके चले जाते है।आमजन जाए तो जाए कहां...? माँ अहिल्या की पावन नगरी में दंपति ने जनधर्म के लिए खुले आसमान में 8 दिन बिता दिए। जहां इस समय की गर्मी में 5 मिनट धूप उमस सहन नहीं हो रही उन्होंने 8 दिन हम लोगों के लिए बिताए और आश्चर्य देखिये सरकार को उनकी बात समझने में 8 दिन लग गए। सच पूछा जाए तो एक आम इंदौरी होने के नाते हमसे भी चूक हुई है जैसा समर्थन



पांडेय दंपति को हमें देना चाहिए था वैसा हम दे ना सके पर अब स्वयं से वादा करे यदि भविष्य कहीं कोई प्रहलाद आपके लिए होलिका में जले तो उसका साथ किसी ना किसी रूप में हम भी देंगे... सभी इंदौरवासियों को पांडेय दंपति को साधुवाद देना चाहिए,अभिनंदन करना चाहिए जो उन्होंने आमजन की बात सरकार के कानों तक पहुंचाई...ईश्वर से प्रार्थना है आपका ये अनशन जैसा निस्वार्थ दिख रहा है वास्तव में वैसा ही हो और हम सभी को सरकार से प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करे।



Ida की झांकी



हुकम चंद्र मिल



मालवा मिल

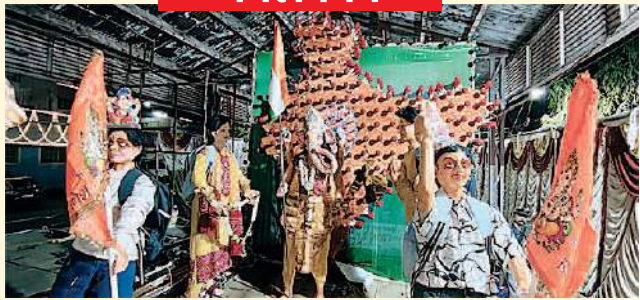
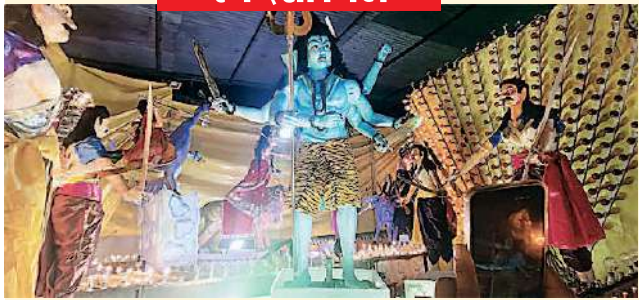
कल्याण मिल



स्वदेशी मिल

होप मिल

नगर निगम



64 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा: भारतीय हॉकी टीम की बड़ी जीत



आइची नागोया। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत ने कोरिया पर हाफटाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने

42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे था। फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा। भारत की नजरें एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर हैं।

64 साल पुराना कौन सा रिकॉर्ड टूटा?

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच छह गोल का अंतर रहा। यह पुरुष हॉकी में गोल के अंतर के मामले में भारत की

दक्षिण कोरिया के खिलाफ एशियाड में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत ने 1962 एशियन गेम्स में कोरिया को 5-0 से हराया था। यानी तब भारत की जीत का अंतर पांच गोलों का था।

अब 2026 एशियन गेम्स में 8-2 से भारत की दक्षिण कोरिया पर जीत में गोल का अंतर छह गोल का रहा और 1962 का 64 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। भारत को अभी भी पूल स्टेज में जापान और बांग्लादेश का सामना करना है। ये मैच क्रमशः 26 और 28 सितंबर को खेले जाएंगे।

वहीं, पहली बार भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पुरुष हॉकी के किसी मैच में कुल मिलाकर नौ या इससे ज्यादा गोल पड़े। इससे पहले भारत ने दक्षिण कोरिया को इससे पहले दो मैचों में 5-3, 5-3 के अंतर से हराया था। यानी तब आठ गोल पड़े थे, जो सबसे ज्यादा था।

भारत का डबल धमाका: रोशिबिना को रजत, सतनाम-सलमान ने जीता कांस्य

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर बोले- अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए बुधवार का दिन दो खास उपलब्धियों वाला रहा। वुशु खिलाड़ी नाओरेम रोशिबिना देवी ने महिलाओं की 60 किलोग्राम सांडा स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर लगातार तीन एशियन गेम्स में पदक जीतने का इतिहास रचा। वहीं, रोइंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने पुरुषों के डबल स्कल्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दोनों उपलब्धियों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों समेत कई नेताओं ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

लगातार तीन एशियाड में रोशिबिना का पदक

रोशिबिना देवी ने 60 किलोग्राम सांडा में सिल्वर मेडल जीता। इसके साथ ही वह लगातार तीन एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय वुशु एथलीट बन गई। उन्होंने 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज, 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में सिल्वर और अब 2026 एआईसी-नागोया एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोशिबिना को बधाई देते हुए लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में वुशु के महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर रोशिबिना देवी नाओरेम को बहुत-बहुत बधाई। लगातार तीन एशियाई खेलों में तीन मेडल जीतना भारतीय वुशु के लिए एक शानदार उपलब्धि और ऐतिहासिक उपलब्धि है। आपकी प्रेरणादायक यात्रा में ऐसे ही और भी गर्व के पल आते रहें।'।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'महिलाओं के सांडा 60 किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर नाओरेम रोशिबिना देवी को बधाई। लगातार तीन एशियन गेम्स में मेडल जीतना यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उनका लगातार अच्छा प्रदर्शन, साहस और दृढ़ संकल्प वास्तव में सराहनीय है। भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।'। रक्षा मंत्री ने भी बताया ऐतिहासिक पल केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोशिबिना की उपलब्धि को भारतीय वुशु के लिए ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने लिखा, 'भारतीय वुशु के लिए एक ऐतिहासिक पल, जब नाओरेम रोशिबिना देवी ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। वह लगातार तीन एशियाई खेलों में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वुशु एथलीट बन गई हैं, जो उनके लगातार



अच्छे प्रदर्शन और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। इस शानदार उपलब्धि के लिए नाओरेम रोशिबिना देवी को बहुत-बहुत बधाई। उनका प्रदर्शन भारतीय एथलीटों की नई पीढ़ी को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।'। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के सांडा 60 किलोग्राम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर नाओरेम रोशिबिना देवी को बहुत-बहुत बधाई।'। किरण रिजजू ने भी रोशिबिना को बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'रोशिबिना देवी का एशियन गेम्स में मेडल जीतने का सिलसिला जारी है। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के सांडा 60 किलोग्राम वुशु इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर आपको बहुत-बहुत बधाई। ब्रॉन्ज (2018), सिल्वर (2022), सिल्वर (2026) - लगातार तीन गेम्स, तीन मेडल। हमें आप पर गर्व है।'।

सतनाम-सलमान की जोड़ी ने जीता कांस्य

रोइंग के पुरुष डबल स्कल्स में सतनाम सिंह और सलमान खान ने भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। दोनों ने फाइनल में 6:13.25 का समय निकाला। इस उपलब्धि के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों खिलाड़ियों के संयम और तालमेल की सराहना की। पीएम मोदी ने लिखा, 'पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में सतनाम सिंह और सलमान खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनका संयम और आपसी तालमेल काबिले-तारीफ रहा। उम्मीद है कि यह कामयाबी उन्हें आने वाले समय में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।'। किरण रिजजू ने भी दोनों को बधाई देते हुए लिखा, 'एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर सतनाम सिंह और सलमान खान को बधाई। हमारे रोअर्स का शानदार प्रदर्शन।'। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'भारत ने एशियन गेम्स 2026 में एक और मेडल अपने नाम किया। रोइंग में पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर सतनाम सिंह और सलमान खान को बहुत-बहुत बधाई। पानी पर की गई कड़ी मेहनत और पक्के इरादे की वजह से इस जोड़ी को पोटियम पर शानदार जगह मिली है। उम्मीद है कि यह कामयाबी उन्हें और भी बड़ी ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।'। जय हिंद।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित एक बार फिर भारतीय टीम के ट्रेसिंग रूम में साथ नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा। गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूँ।' गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।' जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है।



शूटिंग में भारत को एक और पदक, परिनाज-अनंत की जोड़ी ने जीता कांस्य, स्वर्ण से इतने अंक दूर रही

नागोया। एशियाई खेलों में भारत के पदकों का सिलसिला जारी है। निशानेबाजी की मिश्रित स्कीट टीम स्पर्धा में अनंतजीत सिंह नारुका और परिनाज धालीवाल की भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों ने फाइनल में मजबूत प्रदर्शन किया और पदक पक्का किया।

भारतीय जोड़ी स्वर्ण पदक की दौड़ में भी बनी हुई थी, लेकिन अंतिम चरण में वह शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गई। मुकाबला बेहद करीबी रहा। स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी से भारतीय टीम 2 अंक पीछे रही।

इस पदक के साथ एशियाई खेलों में शूटिंग में भारत का प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ

है। भारतीय निशानेबाज अलग-अलग स्पर्धाओं में पदक की दावेदारी पेश कर रहे हैं और मिश्रित स्कीट में अनंतजीत-परिनाज की जोड़ी ने एक और पदक भारत की झोली में डाल दिया।

अनंतजीत सिंह नारुका पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जबकि परिनाज धालीवाल ने भी

शूटिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। दोनों की जोड़ी ने फाइनल में दबाव के बीच संयम बनाए रखा और कांस्य पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के पांचवें दिन भारत की नजरें अब शूटिंग के साथ हॉकी, रोइंग, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में आने वाले मुकाबलों पर हैं।

रेलवे रनिंग रूम में गणेश उत्सव के समापन पर भंडारे का आयोजन

10 दिवसीय गणेश उत्सव के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन, रणजीत टाइम्स ने रेलवे अधिकारी-कर्मचारियों का किया सम्मान



इंदौर। रेलवे रनिंग रूम में सूरज बौरासी मित्र मंडल द्वारा 10 दिवसीय गणेश उत्सव के समापन के अवसर पर भंडारे एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

रेलवे रनिंग रूम के पदाधिकारीगण एवं

पूरी टीम के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मिथुन पासी, विजय कैथवास, सूरज बौरासी, निलेश, नवीन, विजय वर्मा, विनय, देवेंद्र, सचिन, नितिन, विक्की, समीर, सलमान, राहुल (खुशीराम जी), (संदीप मालवीय), (भूपेश शोर), (आलोक

सोनी) एवं विशाल सहित अन्य सहयोगियों की सहभागिता रही।

इस अवसर पर रणजीत टाइम्स न्यूज़ चैनल की टीम द्वारा रेलवे के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

टीम की ओर से उन्हें माँ अहिल्या की प्रतिमा

सम्रेम भेंट की गई। भंडारे में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारीगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारियों का रणजीत टाइम्स परिवार ने आभार व्यक्त किया।

Bright Future
LEARNING ACADEMY

An Initiative by
RANJEET TIMES GROUP

ADMISSIONS OPEN
2026-27
KG-1 to Class 10



QUALITY
EDUCATION



EXPERIENCED
FACULTY



VALUES &
DISCIPLINE



HOLISTIC
DEVELOPMENT

— हर बच्चे का उज्ज्वल भविष्य हमारी प्राथमिकता —



प्रवेश हेतु संपर्क करें

9827068888

BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY

An Initiative by **RANJEET TIMES GROUP**

आधुनिक शिक्षा



अनुभवी शिक्षक



सुरक्षित परिसर



सर्वांगीण विकास

मानसिक रोगी महिला की जमीन हड़पने की साजिश, राजवर्धन फाउंडेशन ने एसीपी को दिया ज्ञापन

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के ग्राम धामी खेड़ा, दालसू में मानसिक रूप से बीमार महिला की जमीन हड़पने और बैंक फ्रॉड के गंभीर मामले को लेकर राजवर्धन फाउंडेशन ने मोर्चा खोल दिया है। फाउंडेशन के संस्थापक साकेत सेंगर के नेतृत्व में को प्रतिनिधिमंडल ने कार्यालय पर बैठक कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रार्थिनी साक्षी पुत्री राजू कुमार सोनकर धामी खेड़ा की बड़ी बहन पूजा सोनकर से जुड़ा है। परिजनों के अनुसार पूजा वर्ष 2014 से मानसिक रोग से पीड़ित हैं, जिनका लगातार इलाज चल रहा है विगत समय पूर्व उन्होंने आत्महत्या का प्रयास भी किया।

आरोप है कि इसी मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर गांव के ही विनोद कुमार परिवार, प्रेम नारायण शुक्ला और अंकित गुप्ता ने उनकी जमीन हड़पने की साजिश रची। राजवर्धन फाउंडेशन के संस्थापक साकेत सेंगर ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने पीड़िता पूजा सोनकर के नाम से बैंक खाता खुलवाया, बैंक द्वारा जारी चेकों पर जबरन हस्ताक्षर कराए और खाते में पैसा जमा कराकर निकाल लिया। विगत 8 जून को विनोद कुमार द्वारा लाखों रुपये हड़पने का प्रयास किया गया, लेकिन दूसरी बहन को जानकारी होने पर वह रकम नहीं दे पाए। अब फर्जी सुलह-समझौते के आधार पर जमीन हड़पने का दबाव बनाया जा रहा है। राजवर्धन फाउंडेशन के संस्थापक साकेत सेंगर ने कहा कि यह मानवता को शर्मसार करने वाला मामला है। एक मानसिक रोगी महिला की संपत्ति को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज और बैंक फ्रॉड किया गया है। राजवर्धन फाउंडेशन पीड़ित परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो हम गांधीवादी तरीके से बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। हम अंत तक पीड़िता को न्याय दिलाकर रहेंगे।